SSLC FIRST BELL HINDI CLASS 7 UNIT 1

LESSON 3 टूटा पहिया

VICTERS CLASS LINK	LESSON 3 WS 1	SURESH K DPT OF HINDI MESHSS

ध्यान दें :- कविता का प्रसंग।

- महाभारत युद्ध में कौरवों ने चक्रव्यूह रचा था।
- अभिमन्यू चक्रव्यूह के अंदर घुस गया।
- लेकिन बाहर निकलना नहीं जानता था।
- चक्रव्यूह के अंदर अभिमन्यू अकेला था।
- उसके सारे शस्त्र नष्ट हो गए।
- रथ टूट गया था।
- वह अकेला पड़ गया।
- कौरवपक्ष के अनेक महायोद्धाओं ने अभिमन्यू पर घोर आक्रमण किया।
- निरायुध अभिमन्यू एक टूटे पहिये को उठाकर युद्ध किया।

Q. महाभारत युद्ध किसके बीच हुआ था ?

- पांडवों और कौरवों के बीच

Q . चक्रव्यूह की रचना किसने की ?

- कौरवों ने

Q . चक्रव्यूह में घुसकर युद्ध करनेवाला वीर कौन था ?

- अभिमन्यू

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

Q . कवी ने " पहिया " शब्द को को किन किन विशेषणों से अलंकृत किया है ?

- **टूटा हुआ पहिया**
- **रथ का पहिया**
- **रथ का टूटा हुआ पहिया**

Q. " में रथका टूटा हुआ पहिया हूँ " यहाँ " मैं " के रूप में कौन आता है ?

- **टूटा पहिया**

Q . पहिया अपने आप को क्या बताता है ?

- **में रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ।**

Q . टूटा पहिया हमसे क्या प्रार्थना करता है ?

- **उसे टूटा हुआ समझकर कहीं मत फेंको।**

Q. टूटे पहिये के इसप्रकार कहने का कारन क्या है ?

- **यही टूटा हुआ पहिया एक बार अभिमन्यु का काम आया था।**

Q. टूटा पहिया कब अभिमन्यु का काम आया था ?

- **जब वह दुरूह चक्रव्यूह में पड़ा था।**

Q . कविता में चक्रव्यूह को " दुरूह चक्रव्यूह " क्यों कहा गया है ?

- चक्रव्यूह के अंदर घुसना और बहार निकलना कठिन था इसलिए दुरूह चक्रव्यूह कहा गया है।

चक्रव्यूह & अक्षौहिणी सेना

चक्रव्यूह में पैदल सैनिकों , रथों , हाथियों और घोड़ों का विन्यास एक निश्चित क्रम से होता है।
सम्पूर्ण चतुरंगिणी सेना , इसमें
21870 रथ ,
21870 हाथी ,
65610 घोड़े ,
109350 पैदल रहते है।

Q . " दुस्साहसी अभिमन्यु " में विशेषण शब्द कौन-सा है ?

- दुस्साहसी

Q. अभिमन्यू को दुस्सहासी क्यों कहा गया है ?

- क्योंकि उसने बड़ा साहस दिखाया।

Q . " दुरूह चक्रव्यूह " में विशेषण शब्द कौनसा है ?

- दुरूह

Q. अभिमन्यू ने ऐसा दुस्साहस क्यों दिखाया ?

- न्याय के समर्थन के लिए।
- अभिमन्यू ने अन्याय के विरुद्ध ऐसा दुस्साहस दिखाया था।

Q . टूटा पहिया क्या करना चाहता है ? / क्या आग्रह करता है ?

- अभिमन्यू जैसा न्याय या सत्य के पक्ष में रहनेवाला कोई व्यक्ति संकट में पड़ जाये , तो उसकी भी सहायता करना चाहता है।

Q . टूटा पहिया हमसे क्या प्रार्थना करता है ?

- **बेकार मानकर टूटे पहिये की उपेक्षा न करें।**

Q . टूटा पहिया किसका प्रतीक है ?

- **शोषकों के विरुद्ध लड़नेवाले कोई लघु या उपेक्षित मानव का प्रतीक ।**

Q . टूटा पहिया हमसे क्या कहता है ?

ANS . टूटा पहिया स्वयं कहता है कि यद्यपि वह रथ का टूटा हुआ पहिया है , पर उसे बेकार समझकर मत फेंको। क्योंकि एक दिन वह न्याय के पक्ष में खड़े रहनेवाले को आश्रय या सहारा बन जायेगा। महाभारत युद्ध में टूटा पहिया अभिमन्यु का काम आया था। उसी तरह आगे भी अभिमन्यू जैसा कोई वीर , न्याय या सत्य के पक्ष में रहनेवाला कोई व्यक्ति सांकड़ में पड़ जाय तो उसकी भी सहायता टूटा पहिया करना चाहता है।

कवितांश में प्रयुक्त प्रतीक

- **टूटा पहिया**
- **अभिमन्यू**
- **चक्रव्यूह**
- **अक्षौहिणी सेना**

अभिमन्यू न्याय या सत्य के पक्ष में रहनेवाला है। सत्य और न्याय का प्रतीक।
कौरव अन्याय और असत्य के पक्ष मैं रहनेवाला है। यानि वे शोषक वर्ग का प्रतीक हैं।
कौरव शोषक वर्ग का प्रतीक है।
अभिमन्यू शोषित समाज का प्रतीक है।
चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीक है। समाज के समस्याओं का प्रतीक।
टूटा पहिया शोषकों के विरुद्ध लड़नेवाले कोई लघु या उपेक्षित मानव का प्रतीक ।

धर्मवीर भारती

जन्म : 25 दिसंबर 1926, इलाहाबाद

निधन : 4 सितंबर 1997

आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक, कवि, नाटककार और सामाजिक विचारक।

प्रमुख कृतियाँः मुर्दों का गाँव, स्वर्ग और पृथ्वी, चाँद और टूटे हुए लोग (कहानी संग्रह)

ठंडा लोहा, कनुप्रिया (काव्य) गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा (उपन्यास)

अंधायुग (काव्य नाटक)

पुरस्कार : पद्मश्री, संगीत नाटक अकादमी, भारत भारती, व्यास सम्मान